सर्वनाम

तद् शब्द

इससे पहले कि आप सर्वनाम के अर्थ को जानें, हम आपको पुरुष के बारे में बताना चाहेगें। इससे आपको अनुवाद करने अथवा अर्थ समझने में परेशानी नहीं होगी।

जैसा कि आप जानते हैं, संस्कृत में तीन वचन (एकवचन, द्विवचन तथा बहुवचन) होते हैं। वैसे ही, पुरुष भी तीन प्रकार के होते हैं। यहाँ पुरुष का अर्थ पुँल्लिङ्ग से नहीं है।

(1) प्रथम पुरुष (सः, तौ, ते, सा, ते, ता, तत्, ते, तानि, तेन, तया, तौ)

(2) मध्यम पुरुष (त्वम्, युवाम्, यूयम्)

(3) उत्तम पुरुष (अहम्, आवाम्; वयम्)

इनका प्रयोग धातुरुप एवं क्रिया पदों के साथ होता है।

सर्वनाम

वे शब्द जो संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

<u>रामः</u> भोजन खादति।

<u>सः</u> भोजनं खादति।

यहाँ रामः के स्थान पर प्रयुक्त शब्द 'सः (वह)' सर्वनाम है।

यहाँ हम आपको 'तद्' (वह) शब्द रुपों का परिचय कराएंगे। तत्पश्चात् इन शब्दों का प्रयोग करके कुछ सरल वाक्य बनाने का प्रयास करेगें।

आइए अब तद् (वह) पुँल्लिङ्ग के रुपों पर एक नज़र डालें।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा:	सः	तौ	ते

द्वितीया	तम्	तौ	तान्
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः
चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्यः
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्यः
षष्ठी	तस्य	तयोः	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयोः	तेषु

अब हम तद् (वह) नपुंसकलिंङ्ग के रुप देखेंगे।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमाः	तत्	ते	तानि
द्वितीया	**तत्**	**ते**	**तानि**
तृतीया	तेन	ताभ्याम्	तैः

चतुर्थी	तस्मै	ताभ्याम्	तेभ्य:
पञ्चमी	तस्मात्	ताभ्याम्	तेभ्य:
षष्ठी	तस्य	तयो:	तेषाम्
सप्तमी	तस्मिन्	तयो:	तेषु

आप इन दोनों शब्द रुपों में देख सकते हैं कि दोनों के रुप लगभग समान हैं। परन्तु नपुँसकलिंङ्ग के प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति के रुप में भिन्नता है। यदि आप दोनों में कोई भी एक रुप याद कर लें तो दूसरा स्वत: ही आपको याद हो जाएगा।

अब हम तद (वह) स्त्रीलिंग के रुपों को देखेंगे।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा:	सा	ते	ता:
द्वितीया	ताम्	ते	ता:
तृतीया	तया	ताभ्याम्	ताभि:
चतुर्थी	तस्यै	ताभ्याम्	ताभ्य:

पञ्चमी	तस्याः	ताभ्याम्	ताभ्यः
षष्ठी	तस्याः	तयोः	तासाम्
सप्तमी	तस्याम्	तयोः	तासु

आप इन शब्द रुपों को दिन में कम-से-कम एक बार अवश्य देखें। ऐसा करने से ये स्वतः ही आपको याद हो जाएंगे।

आइए अब इन शब्द रुपों के आधार पर कुछ वाक्य बनाने का अभ्यास करें।

सः पाठं पठति।

वह पाठ पढ़ता है।

सा तेन सह गृहं गच्छति।

वह उसके साथ घर जाती है।

तस्मै देवायः नमः।

उस देवता को नमस्कार है।

तैः केन सह ओदनं खादन्ति?

वे किनके साथ चावल खाते हैं?

सः तस्मात् वनात् विभेति।

वह उस वन से ड़रता है।

तस्मिन् गृहे अहं प्रविष्यामि।

मैं उस घर में प्रवेश करुँगा।

तेषाम् सेवका: निर्धन: सन्ति।

उनके सेवक (नौकर) गरीब हैं।

तस्मिन वृक्षे एकं शुकस्य: नीड़म् अस्ति।

उस वृक्ष पर एक तोते का घोंसला है।

आप उपरोक्त वाक्यों में रेखाङ्कित शब्दों में प्रयुक्त विभक्तियों की पहचान कीजिए।

एतद् शब्द

अब हम आपको एतद् शब्द रुपों के बारे में बताएंगे।

सबसे पहले हम एतद (यह) पुँल्लिङ्ग के शब्द रुपों को देखेंगे।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा	एष:	एतौ	एते
द्वितीया	एतम्	एतौ	एतान्
तृतीया	एतेन	एताभ्याम्	एतै:
चतुर्थी	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्य:
पञ्चमी	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्य:
षष्ठी	एतस्य	एतयो:	एतेषाम्

सप्तमी	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु

अब हम एतद (यह) नपुंसकलिंग शब्द रुपों पर एक नज़र डालेंगे।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमाः	एतत्	एते	एतानि
द्वितीया	**एतत्**	**एते**	**एतानि**
तृतीया	एतेन	एताभ्याम्	एतैः
चतुर्थी	एतस्मै	एताभ्याम्	एतेभ्यः
पञ्चमी	एतस्मात्	एताभ्याम्	एतेभ्यः
षष्ठी	एतस्य	एतयोः	एतेषाम्
सप्तमी	एतस्मिन्	एतयोः	एतेषु

अगर आप दोनों उपरोक्त रुपों को देखें तो सिर्फ प्रथमा, द्वितीया विभक्ति के रुप ही अलग हैं। अतः इसमें भी आपको मात्र दो शब्द रुप ही याद करने पड़ेंगे।

अब हम एतद (यह) स्त्रीलिंग शब्द रुपों को देखेंगे।

	एकवचन	**द्विवचन**	**बहुवचन**
प्रथमा:	एषा	एते	एता:
द्वितीया	एताम्	एते	एता:
तृतीया	एतया	एताभ्याम्	एताभि:
चतुर्थी	एतस्यै	एताभ्याम्	एताभ्य:
पञ्चमी	एतस्या:	एताभ्याम्	एताभ्य:
षष्ठी	एतस्या:	एतयो:	एतासाम्
सप्तमी	एतस्याम्	एतयो:	एतासु

अब हम उपरोक्त दिए गए रुपों के आधार पर कुछ सरल वाक्य बनाने का प्रयास करेंगे।

एष: पाठं पठति।

यह पाठ पढ़ता है।

सा एतेन सह गृहं गच्छति।

वह इसके साथ घर जाती है।

एतस्मै देवाय: नम्:।

इन देव को नमस्कार है।

एते केन सह ओदनं खादन्ति?

ये किनके साथ चावल खाते हैं?

स: एतस्मात् वनात् विभेति।

वह इस वन से डरता है।

एतस्मिन गृहे अहं प्रविष्यामि।

इस घर में मैं प्रवेश करुँगा।

एतेषाम् सेवका: निर्धन: सन्ति।

इनके सेवक (नौकर) गरीब हैं।

एतस्मिन् वृक्षे एक शुकस्य नीडम् अस्ति।

इस वृक्ष पर एक तोते का घोंसला है।

आप उपरोक्त वाक्यों में रेखाङ्कित शब्दों में प्रयुक्त विभक्ति की पहचान करें और उपरोक्त दिए गए शब्द रुप के आधार पर कम-से-कम दो-दो वाक्य अवश्य बनाएं।